प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

वन्यजीव स्वास्थ्य प्रबंधन एवं संरक्षण पर कार्यशाला संपन्न

पंतनगर। 30 सितम्बर, 2018। पंतनगर विश्वविद्यालय के पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय और ऐसोसिएशन ऑफ जू एण्ड वाइल्ड लाइफ वैटेनेरियन्स, के संयुक्त तत्वाधान में वन्यजीव स्वास्थ्य प्रबंधन एवं संरक्षण पर दो-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन आज रतन सिंह सभागार में किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व कुलपति, प्रो. ए.के. मिश्रा, थे, जिनके साथ ऐसोसिएशन ऑफ जू एण्ड वाइल्ड लाइफ वैटनेरियन्स के सचिव, डा. बी.एम. अरोरा और संयुक्त सचिव, डा. एम. हक तथा अधिष्ठाता पशुचिकित्सा, डा. जी.के. सिंह एवं कार्यक्रम समन्वयक, डा. जे.एल. सिंह भी मंचासीन थे।

प्रो. ए.के. मिश्रा, ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि पशुचिकित्सकों का कार्य निश्चित ही महत्वपूर्ण है क्योंकि वे उन जीवों का उपचार करते हैं जो बोल नही सकते, अपने दर्द को बयां नही कर सकते और अपने दुख को दिखा नहीं सकते। उन्होंने बताया कि वन्यजीव का स्वास्थ्य और संरक्षण पूरे विश्व के लिए एक चुनौती है, क्योंकि अभी भी इस क्षेत्र की ओर अपेक्षित स्तर के प्रयासों का अभाव है। उन्होंने अपने नागपुर के अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि वहां पर वन्यजीव व विड़ियाघरों के जानवरों के लिए वहां के विश्वविद्यालय, वानिकी विभाग और राज्य सरकार का सहयोग सदैव रहा है, जिसके फलस्वरूप वहां पर साकारात्मक परिणाम दिखाई दिये हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्‌वान किया कि वे पढ़ाई के साथ-साथ इन जगहों पर जा कर प्रशिक्षण लें, शोध करें और उनके बारे में जानकारी अर्जित करें, जिससे उनका शिक्षण का स्तर निश्चित ही बेहतर हो जायेगा।

डा. बी.एम. अरोरा ने सुझाव दिया कि पंतनगर विश्वविद्यालय में वन्यजीव संरक्षण हेतु एक अनुभाग की स्थापना की जानी चाहिए, जिसमें विद्यार्थियों और आम लोगों को वन्यजीवों के बारे में जानकारी प्रदान की जाये, ताकि वे उनके संरक्षण के लिए अपना सहयोग प्रदान कर सके। उन्होंने कहा कि इसकी स्थापना के लिए आवश्यक उपकरणों, आकडों और अन्य वस्तुओं की पूर्ति के लिए एआईजेडडब्लूवी सहयोग करेगा।

कार्यक्रम के प्रारंभ में डा. जी.के. सिंह, ने अपने स्वागत उद्‌बोधन में कहा कि दो दिनों की इस संगोष्ठी से ये पता चला की वन्यजीवों से संबंधित आंकड़े उन पर किये जाने वाले शोध और समस्याओं के सामाधान में मद्‌द करेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि अभी तक 280 प्रजातियां विलुप्त होने के कगार पर है, जिनमें 148 प्रजातियां जीवों की और 132 वनस्पतियों की हैं। इस अवसर पर संगोष्ठी के विभिन्न सत्रों में हुई प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार दिये गयें। डा. सुमेध एम शास्त्री को युवा वैज्ञानिक आवार्ड प्रदान किया गया। कार्यक्रम के अंत में डा. जे.एल. सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया

संगोष्ठी के समापन सत्र में मंचासीन अतिथियों व वैज्ञानिकों से युवा वैज्ञानिक पुरस्कार प्राप्त करते डा. सुमेध एम शास्त्री।

(नरेश कुमार)
समाचार समन्वयक